



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4
PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 226] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अक्टूबर 11, 2012/आश्विन 19, 1934
No. 226] NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 11, 2012/ASVINA 19, 1934

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुम्बई, 8 अक्टूबर, 2012

सं. टीएएमपी/32/2012-सीओपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48, 49 और 50 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण, कोच्चिं पत्तन के क्यू 8 और क्यू 9 बर्थों पर सामान्य कार्गो टर्मिनल के विकास के लिए अपफ्रंट प्रशुल्क सुनिश्चित करने हेतु, कोच्चिं पत्तन न्यास से प्राप्त प्रस्ताव को एतद्वारा, संलग्न आदेशानुसार निपटाता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण प्रकरण सं.टीएएमपी/32/2012-सीओपीटी

कोच्चिं पत्तन न्यास

आवेदक

आ दे श

(सितंबर 2012 के 28वें दिन पारित)

यह प्रकरण कोच्चिं पत्तन न्यास के क्यू 8-क्यू 9 बर्थों पर सामान्य कार्गो टर्मिनल विकसित करने हेतु अपफ्रंट प्रशुल्क सुनिश्चित करने के लिये कोच्चिं पत्तन न्यास (सीओपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2. सीओपीटी ने दिनांक 29 मई 2012 के अपने पत्र के अंतर्गत, कोच्चिं पत्तन के क्यू 8 और क्यू 9 बर्थों पर सामान्य कार्गो टर्मिनल के विकास के लिए अपफ्रंट प्रशुल्क सुनिश्चित करने हेतु अपना प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

3. प्रदत्त परामर्शी प्रक्रिया के अनुसार, सीओपीटी का प्रस्ताव संबंधित उपयोगकर्ताओं / उपयोगकर्ता संगठनों और भावी बोलीदाताओं को (सीओपीटी द्वारा प्रस्तुत सूची के अनुसार) उनकी टिप्पणियां आमंत्रित करते हुए भेजा गया था। कुछ भावी बोलीदाताओं ने अपनी-अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत कर दी हैं। ये टिप्पणियां सीओपीटी को प्रतिपूरक सूचना के रूप में अप्रेषित कर दी गई थीं। सीओपीटी ने इनका उत्तर दिया है।

4.1. प्रस्ताव की शुरूआती जांच पड़ताल के आधार पर, दिनांक 25 जून 2012 के हमारे पत्र के माध्यम से सीओपीटी से अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। सीओपीटी ने दिनांक 10 जुलाई 2012, के अपने पत्र के जरिए उत्तर दिया है। सीओपीटी ने अपना उत्तर देते हुए अपना प्रस्ताव संशोधित किया है।

4.2. सीओपीटी का संशोधित प्रस्ताव दिनांक 10 जुलाई 2012 उपयोगकर्ताओं/संभावित बोलीदाताओं में उनकी टिप्पणियों के लिए परिपत्रित किया गया है। किसी भी उपयोगकर्ता/संभावित बोलीदाताओं से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है।

5.1. इस प्रकरण में 8 अगस्त 2012 को सीओपीटी के परिसर में एक संयुक्त सुनवाई आयोजित की गई थी। संयुक्त सुनवाई में, सीओपीटी और संबंधित उपयोगकर्ताओं/संगठन निकायों और संभावित बोलीदाताओं ने अपना-अपना पक्ष रखा है।

5.2. जैसाकि संयुक्त सुनवाई में निण्य किया गया था सीओपीटी को कुछ बिंदुओं पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया गया था। सीओपीटी ने दिनांक 9 अगस्त 2012 के अपने पत्र द्वारा उत्तर दिया है। चूंकि सीओपीटी ने, संयुक्त सुनवाई में उत्तर गए मुद्दों को बिंदुवार संबंधित नहीं किया, सीओपीटी से अपेक्षित सूचनाएं प्रस्तुत करने हेतु दिनांक 14 अक्टूबर 2012 के हमारे पत्र द्वारा पुनःअनुरोध किया गया था। सीओपीटी ने दिनांक 18 अगस्त 2012 के अपने पत्र के तहत उत्तर दिया है।

6.1. उसके बाद, इस प्राधिकरण के कार्यालय में सीओपीटी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए गए विचार विमर्श के आधार पर, सीओपीटी ने दिनांक 1 सितंबर 2012 के माध्यम से सूचित किया कि अपफ्रंट प्रशुल्क प्रस्ताव की समीक्षा के संबंध में और अधिक विस्तृत विचार विमर्श पत्तन में आयोजित किया गया था। चूंकि आरएफक्यू के साथ-साथ अपफ्रंट प्रशुल्क प्रस्ताव में आवश्यक सुधार किए जाने आवश्यक हैं, सीओपीटी ने अपना संशोधित प्रस्ताव फाइल करने और प्रस्तुत करने के लिये दो सप्ताह का समय मांगा है। सीओपीटी का अनुरोध स्वीकार किया गया और सीओपीटी से अपना संशोधित प्रस्ताव, संबंधित पण्धारियों (स्टेकहोल्डर्स) को, उन्हें संशोधित प्रस्ताव पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने की सलाह के साथ, भेजने का अनुरोध किया गया था।

6.2. तदनन्तर, दिनांक 14 सितंबर 2012 के अपने पत्र के माध्यम से सीओपीटी ने सूचित किया कि पत्तन ने परियोजना की संभाव्यता रिपोर्ट में सुधार करने का निण्य लिया है और अपफ्रंट प्रशुल्क प्रस्ताव सुधारी हुई संभाव्यता रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद ही प्रस्तुत की जाएगी।

6.3. अब, सीओपीटी ने दिनांक 21 सितंबर 2012 के अपने पत्र के जरिए कहा है कि चूंकि वर्तमान प्रस्ताव में व्यापक स्तर पर पुनर्गणना की जरूरत है, वह अपना वर्तमान प्रस्ताव यापिस लेना चाहता है और वह संभाव्यता अध्ययन करने के बाद प्रस्ताव को नये सिरे से प्रस्तुत करेगा।

7. सीईओपीटी द्वारा किए गए निवेदनों को देखते हुए, यह प्राधिकरण संदर्भाधीन प्रकरण को बंद करने का निण्य लेता है और सीओपीटी के दिनांक 29 मई 2012 के प्रस्ताव को यापिस लिया मानती है। सीओपीटी द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाले संशोधित प्रस्ताव पर नए सिरे से कार्रवाई की जाएगी।

8. परिणामस्वरूप, और ऊपर दिए गए कारणों से, यह प्राधिकरण दिनांक 29 मई 2012 के सीओपीटी के प्रस्ताव को यापिस लिए प्रस्ताव के रूप में बंद करने का निण्य लेता है।

टी. एस. बालासुब्रमणियन, सदस्य (वित्त)

[विज्ञापन III/4/143/12/असा.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS NOTIFICATION

Mumbai, the 8th October, 2012

No. TAMP/32/2012-COPT.—In exercise of the powers conferred by Sections 48, 49 and 50 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal from the Cochin Port Trust for setting upfront tariff for the development of General Cargo Terminal at Q8 and Q9 berths of Cochin Port as in the Order appended hereto.

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

Case No. TAMP/32/2012-COPT

Cochin Port Trust

Applicant

...

ORDER

(Passed on this 28th day of September, 2012)

This case relates to a proposal received from Cochin Port Trust (COPT) for setting upfront tariff for the development of General Cargo Terminal at Q8-Q9 berths of Cochin Port.

2. The COPT under cover of its letter dated 29 May 2012 has submitted its proposal for setting upfront tariff for the development of General Cargo Terminal at Q8-Q9 berths of Cochin Port.

3. In accordance with the consultative procedure prescribed, the proposal of COPT was forwarded to the concerned users / user organisations and prospective bidders (as per the list furnished by the COPT) seeking their comments. Some of the prospective bidders have furnished their comments. These comments were forwarded to COPT as feedback information. The COPT has responded.

4.1. Based on a preliminary scrutiny of the proposal, the COPT was requested to furnish additional information/ clarifications vide our letter dated 25 June 2012. The COPT has responded vide its letter dated 10 July 2012. The COPT while furnishing their replies have revised their proposal.

4.2. The revised proposal of COPT dated 10 July 2012 has been circulated to the users/ prospective bidders for their comments. None of the users/ prospective bidders have furnished their comments.

5.1. A joint hearing in this case was held on 8 August 2012 at the COPT premises. At the joint hearing, the COPT and the concerned users/ organisation bodies and prospective bidders have made their submissions.

5.2. As decided at the joint hearing, the COPT was requested to take action on some points. The COPT responded vide its letter dated 9 August 2012. Since the response of COPT did not pointedly address the issues raised during the joint hearing, the COPT was again requested vide our letter dated 14 August 2012 to furnish the requisite information. The COPT under cover of its letter dated 18 August 2012 has responded.

6.1. Thereafter, based on the discussions held by the senior officials of COPT at the office of this Authority, the COPT vide its letter dated 1 September 2012 communicated that further detailed discussions were held in the port regarding reviewing the upfront tariff proposal. Since necessary modifications are required to be made in the RFQ as well as in the upfront tariff proposal, the COPT sought two weeks' time to finalise and submit its revised proposal. The request of COPT was acceded to and the COPT was requested to forward its revised proposal simultaneously to the concerned stakeholders advising them to furnish their comments on the revised proposal.

6.2. Subsequently, the COPT vide its letter dated 14 September 2012 communicated that the port has decided to modify the feasibility report for the project and that the upfront tariff proposal will be submitted after obtaining the modified feasibility report.

6.3. Now, the COPT vide its letter dated 21 September 2012 has stated that since the present proposal requires extensive re-working, it would like to withdraw its present proposal and that it would take up the proposal afresh after conducting the feasibility studies.

7. In view of the submissions made by the COPT, this Authority decides to close the case in reference and treat the COPT proposal dated 29 May 2012 as withdrawn. The revised proposal to be submitted by COPT, subsequently, will be processed afresh.

8. In the result, and for the reasons given above, this Authority decides to close the COPT proposal dated 29 May 2012 as withdrawn.

T. S. BALASUBRAMANIAN, Member (Finance)
[ADVT. III/4/143/12/Exty.]